दो बैलों की कथा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» लेखक परिचय – मुंशी प्रेमचंद
» कहानी का सारांश – हीरा और मोती की मित्रता
» संघर्ष और विद्रोह की भावना
» मूक-भाषा – मानवीकरण की कला
» करुणा और मानवीय संवेदना – छोटी लड़की का चरित्र
» कहानी का प्रतीकात्मक अर्थ – स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ाव
» सीख और संदेश – मित्रता, स्वाभिमान और त्याग

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. प्रेमचंद ने सरकारी नौकरी क्यों छोड़ी? इसका उनके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?

› प्रेमचंद असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग लेना चाहते थे।
› सरकारी नौकरी में रहते हुए यह संभव नहीं था, इसलिए उन्होंने त्यागपत्र दिया।
› इसके बाद वे पूरी तरह लेखन को समर्पित हो गए और महान रचनाएँ लिखीं।

उत्तर – प्रेमचंद ने देशभक्ति और लेखन के प्रति समर्पण के कारण नौकरी छोड़ी, जिससे हिंदी साहित्य को उनकी महान कृतियाँ मिलीं।

उदाहरण 2. बैल दो बार गया के घर से क्यों भागे? कारण स्पष्ट कीजिए।

› पहली बार उन्हें गया के घर में भूखा रखा गया और उचित देखभाल नहीं मिली।
› दूसरी बार गया ने उन पर डंडों से अत्याचार किया और सूखा भूसा दिया।
› अपमान और कष्ट सहन न कर पाने के कारण दोनों बार वे अपने असली घर की ओर भागने की कोशिश करते हैं।

उत्तर – बैल भूख, अपमान और अत्याचार से तंग आकर अपने असली घर (झूरी) की ओर भागे, जो उनके आत्मसम्मान और अपनेपन को दर्शाता है।

उदाहरण 3. काँजीहौस में हीरा के व्यवहार से हमें क्या सीख मिलती है?

› हीरा भूख और कष्ट में भी हार नहीं मानता और दीवार तोड़ने का साहस दिखाता है।
› उसका उद्देश्य सिर्फ खुद को नहीं, बल्कि सभी बंदी जानवरों को बचाना था।
› इससे सिद्ध होता है कि सच्चा नेतृत्व दूसरों के भले के लिए त्याग करने में है।

उत्तर – हीरा का साहस हमें सिखाता है कि अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना और दूसरों की भलाई के लिए जोखिम उठाना ही सच्ची वीरता है।

उदाहरण 4. प्रेमचंद ने बैलों को 'मूक-भाषा' में बात करते हुए क्यों दिखाया है?

› इससे कहानी रोचक बनती है और पाठक बैलों की भावनाओं से जुड़ पाता है।
› यह तकनीक दिखाती है कि जानवरों में भी मनुष्यों जैसी चेतना और नैतिकता होती है।
› यह पाठक को जानवरों के प्रति संवेदनशील बनाने का भी माध्यम है।

उत्तर – मूक-भाषा के माध्यम से लेखक जानवरों को मानवीय चेतना और भावनाएँ देकर पाठकों में उनके प्रति सहानुभूति जगाते हैं।

उदाहरण 5. छोटी लड़की और झूरी की पत्नी के व्यवहार की तुलना कीजिए।

› छोटी लड़की खुद दुखी होते हुए भी बैलों के प्रति करुणा दिखाती है और उन्हें भोजन देती है।

› झूरी की पत्नी शुरू में गुस्से में बैलों को सूखा भूसा देने का आदेश देती है।

› लेकिन कहानी के अंत में मालकिन भी बैलों के प्रति अपना प्रेम माथा चूमकर व्यक्त करती है।

उत्तर – छोटी लड़की की करुणा तुरंत और निःस्वार्थ है, जबकि मालकिन का प्रेम गुस्से के पीछे छिपा हुआ था जो अंत में प्रकट होता है।

उदाहरण 6. 'दो बैलों की कथा' को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ें तो हीरा और मोती किसका प्रतीक हो सकते हैं?

› बैलों का बार-बार बिना मर्ज़ी बेचा जाना परतंत्र भारतीय जनता के शोषण जैसा है।

› उनका संघर्ष और अंततः मुक्ति पाना स्वतंत्रता संग्राम जैसा प्रतीकात्मक अर्थ रखता है।

› अतः वे स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के प्रतीक माने जा सकते हैं।

उत्तर – हीरा और मोती स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत भारतीय जनता का प्रतीक हैं, जो अन्याय सहते हुए भी अंततः मुक्ति पाते हैं।

उदाहरण 7. 'दो बैलों की कथा' से हमें कौन-सी तीन मुख्य सीख मिलती हैं?

› पहली सीख: सच्ची मित्रता में संकट के समय एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते (मोती का उदाहरण)।

› दूसरी सीख: आत्मसम्मान के लिए अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करना चाहिए (हीरा का उदाहरण)।

› तीसरी सीख: करुणा और संवेदनशीलता इंसानों तक सीमित नहीं, यह हर प्राणी में और हर प्राणी के प्रति होनी चाहिए (लड़की का उदाहरण)।

उत्तर – मित्रता, आत्मसम्मान और करुणा – ये तीन मूल्य कहानी की सबसे बड़ी सीख हैं, जो हमें बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- लेखक-परिचय में जन्म-स्थान, मूल नाम, प्रमुख रचनाएँ और साहित्यिक विशेषता – ये चार बिंदु जरूर लिखें।
- कथानक सारांश लिखते समय घटनाओं को समय-क्रम (chronological order) में लिखें और मुख्य पात्रों के नाम जरूर शामिल करें।
- इस विषय पर प्रश्न आने पर हमेशा 'हीरा की दीवार तोड़ने' वाली घटना का उदाहरण दें – यह सबसे मजबूत सबूत है।
- 'मूक-भाषा का प्रयोग किसलिए किया गया' पूछे जाने पर हमेशा 'मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए' यह मुख्य बिंदु सबसे पहले लिखें।
- चरित्र-चित्रण के प्रश्न में हमेशा पात्र के कार्यों (actions) के आधार पर गुण बताएँ, केवल विशेषण न लिखें।
- बहुविकल्पीय प्रश्न में 'स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ें तो...' पूछे जाने पर याद रखें सही उत्तर है 'स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के प्रतीक'।
- 'सीख/संदेश' वाले प्रश्न में हमेशा कहानी की किसी ठोस घटना का हवाला देकर सीख को सिद्ध करें – बिना उदाहरण के उत्तर अधूरा माना जाता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› प्रेमचंद = जन्म 1880, लमही; मूल नाम धनपत राय; निधन 1936; 'उपन्यास सम्राट'।

› मुख्य घटनाक्रम: गया का घर भागना काँजीहौस नीलामी घर वापसी।

› हीरा = साहस + नेतृत्व; दीवार तोड़ना = सामूहिक मुक्ति; संदेश = अन्याय का प्रतिरोध जरूरी।

› मूक-भाषा = मानवीकरण तकनीक; उद्देश्य = पशुओं में चेतना दिखाना।

› लड़की = करुणा; रोटी खिलाना + रस्सी खोलना = निःस्वार्थ मदद; मालकिन = अंत में स्नेह।

› प्रतीकात्मक अर्थ: बैल=परतंत्र जनता; संघर्ष=स्वतंत्रता संग्राम; अहिंसा सिद्धांत=सत्याग्रह।

› मुख्य सीखें: मित्रता + आत्मसम्मान + करुणा + भय पर विजय।